

---

# Shri TandavasHanmukhastotram

श्रीतान्दवषण्मुभस्तोत्रम्

## Document Information

---

Text title : tANDavaShaNmukhastotram

File name : tANDavaShaNmukhastotram.itx

Category : subrahmanya

Location : doc\_subrahmanya

Transliterated by : Sivakumar Thyagarajan Iyer shivakumar24 at gmail.com

Proofread by : Sivakumar Thyagarajan Iyer, PSA Easwaran

Description-comments : siddhanAgArjunatantra

Latest update : June 15, 2017

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

February 2, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Shri TandavasHanmukhastotram

---

## श्रीताण्डवषण्णमुपस्तोत्रम्

---



ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥

ॐ अस्य श्रीताण्डवगुणेशमहामन्त्रस्य ब्रह्मविष्णुमहेश्वरा ऋषयः ।

ऋयञ्जुस्सामाथर्वाणि छन्दांसि ।

अत्युग्ररूपी भगवान् परशम्भुपुत्रः ताण्डवागुणेशो देवता ।

आं बीजं, ह्रीं शक्तिः । कौं कीलकम् ।

सर्वदुःखभयनिवारणार्थे जपे विनियोगः ॥

ॐ कुमाराय नमः आनन्दमहाषण्णमुपताण्डवेश्वराय वृष्टयाय नमः

यनमकुमार ब्रह्मोर्ध्वताण्डवेश्वराय शिरसे स्वाहा

मकुमारायन संडाराताण्डवकुमाराय शिष्यायै वषट्

मारायनमकु शिवज्ञानबोधकताण्डवेश्वराय क्वयाय हुम्

रायनमकुमा नित्यतृप्तसङ्कल्पताण्डवषण्णमुभाय नेत्रत्रयाय वौषट्

नमकुमाराय - सर्वानन्दनित्यताण्डवतृप्तियुताय षण्णमुभाय अस्त्राय इट्

भूर्भुवःसुवरोमिति टिङ्गन्धः ॥

ध्यानम् -

कोटिसूर्यप्रतीकाशं कोटिमन्मथरूपिणम् ।

यन्द्रशीतांशुवद्व्येयं सेनान्यं पार्वतीसुतम् ॥

सडस्रशीर्षकं देवं सडस्राक्षं त्रिलोचनम् ।

द्विसडस्रभुजं यैव सर्वायुधसमायुतम् ॥

ब्रह्मविष्णुमहेशानसर्वमाण्डलवेष्टितम् ।

भक्तानुकम्पिनं देवं नमाभ्याद्विगुरुं परम् ॥

करालदंष्ट्रवदनमत्युत्तममहाबिभुम् ।

कालरात्रिसुतं विष्णुं प्रलययात्रिसमप्रभम् ॥

मयूरेशं ब्रह्मगुरुं स्वामिनाथं नमाभ्युदम् ।



सडस्रकोटिपरशुपाशडस्ताय - धोररुद्राट्टुडासाय -  
 शूरपन्नदृष्टिनाशकाय - आवेशय आवेशय आकर्षय आकर्षय -  
 अपमृत्युं नाशय नाशय - उं ठं निरृतिद्वारं बन्धय  
 बन्धय - नमो नमः स्वाडा -

उं वं नमो भगवते वल्लीशाय - देवसेनावल्लभाय - बाहुलेयाय -  
 अमृतताडवेषराय - अमृतकलशधरकराभुजाय -  
 नवाम्बुदश्यामलाय - शशाङ्कुतशोभराय -  
 तारकध्वंसिने - दक्षाध्वरध्वंसिने - दिगम्बरस्वरुपाय -  
 शक्तिशूलडमरुक-अग्निभाडपुष्पबाणधराय - डुङ्कारनाथाय -  
 उरगमणिभूषणाय - उं वं पश्चिमद्वारं बन्धय बन्धय -  
 उं नमः स्वाडा मां रक्ष रक्ष स्वाडा -

उं उं मं यं नमो भगवते सरस्वतीवल्लभाय - कुङ्कुटध्वजाय -  
 शैलवासाय - पीठाधिपडुपिणे - प्रयडताडवाय -  
 त्रिसडस्रकोटिशक्तिभडुगभेटकधराय - कालरात्रिसञ्चार -  
 भूतप्रेतपिशाचयक्षराक्षससंडारकारणाय - परमन्त्र  
 परयन्त्र परतन्त्र विच्छेदनाय - वायुद्वारं बन्धय बन्धय  
 नमः स्वाडा -

उं ठं नमो भगवते - डुबेरताडवडुपिणे -  
 ओकाडशरुद्रात्मकस्वरुपिणे - मडाभैरवाय - शूलगदाधराय -  
 सडस्रकोटिसिडवाडनाय - निराभासाय - कालमृत्युसंडारणाय -  
 अनवरतसंडारताडवेषशस्वरुपिणे - अडुपाय - स्वरुपाय -  
 सख्खिदानन्दवित्राडाय - आनन्दताडवभैरवाय - उं ठं  
 उत्तरद्वारं बन्धय बन्धय - उं नमः स्वाडा मां रक्ष रक्ष  
 स्वाडा -

उं ङं नमो भगवते - ङशानताडवडुपाय -  
 मयूरप्रधानवाडनाय - अजवाडनाय -  
 अग्निरुपभयडुराय - दशसडस्रकोटिसिडवाडनाय -  
 दशसडस्रकोटिशडुभयडुमुसलभिण्डिडपालथर्मपात्रधराय -  
 थडेण निडुन्तय निडुन्तय - मुसलेन मारय मारय -  
 भडुगेन भेदय भेदय - डुठरेण छेदय छेदय -

भद्राङ्गेन छेद्य छेद्य - हुं क्षं कल्याणवीरभद्रावताराय -  
सडस्रकोटिब्रह्मकपालमालाधराय - ईशानद्वारं बन्धय  
बन्धय - मां रक्ष रक्ष ॐ नमः स्वाहा -

ॐ शं सुं प्रौं औं - ॐ नमः

प्रलङ्गावाग्निरुद्रावतारताडवेषराय -  
सडस्रकोटिनिर्वाणभैरवपरिपालनाय - आं अट्टलासाय - मलासेनाय -  
नं शम्भुपुत्राय - आदिशेषावताराय - पातालद्वारं बन्धय  
स्वाहा ।

ॐ भं नमो भगवते - मलाकुमाराय -  
उर्ध्वताडवात्मकाय - येरताडवाय -  
भूतप्रेतपिशाचयक्षराक्षसयमदूतशाकिनीडाकिनीसमस्तदुर्गादिन्  
बन्धय बन्धय -

ॐ ह्रीं हुं हुट् - आत्मानं रक्ष रक्ष -  
वज्रसिंहासुभदंष्ट्राकरालवदनताडवेषराय -  
सडस्रकोटिभद्रकालिदेवतानिसडस्रकोटिरुद्राट्टलास-  
नववीरवीरभद्रमुपसेविताय -  
यतुष्कोटिरामलक्ष्मणभरतशत्रुघ्नलनुमत्सेविताय -  
समसडस्रकोटिदुर्गादेवतापरिवारसेविताय -  
श्रीशरभसाल्वश्रीशूलिन्यावरणाय - कुमारस्वामिने -  
अत्यन्तसौम्यशीतलस्वरुपाय - अवाङ्मनसगोचराय -  
अगणितमङ्गले - मम देहे पादादिकेशपर्यन्तं रक्ष रक्ष मम  
शत्रून् भक्षय भक्षय - मलायोगेस्वराय - हुं हुट् स्वाहा -  
पूनर्नमस्ते नमस्ते - श्रीगुरुभ्यो नमः


मलापाशुपतास्त्रादिसर्वास्त्रमनुगर्भितम् ।


मलाद्भुतमिदं स्तोत्रं प्रेदोषेषु पठेत्सदा ॥

एति सिद्धनागार्जुनतन्त्रे श्रीताडवषण्मुपस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Encoded by Sivakumar Thyagarajan Iyer shivakumar24 at gmail.com

Proofread by Sivakumar Thyagarajan Iyer, PSA Easwaran

——  
*Shri TandavasHanmukhastotram*  
pdf was typeset on February 2, 2024

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

